

'Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

1

jftLV^h laö Mhö ,yö&33004@99
33004/99

REGD. NO. D. L.-

la. 343]

ubZ fnYyh] lkseokj] fnlEcj 30] 2013@ikS" k 9] 1935

No. 343]

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 30, 2013/PAUSHA 9, 1935

वदेश मं ालय

अधसूचना

नई दल, 24 दसंबर, 2013

सं. एस/321/24/2011.—नालंदा व\$वव%यालय अध&नयम, 2010 (2010 का 39) क+ धारा 30 %वारा ,द-त शि0तय1 का ,योग करते हुए शासी मंडल नालंदा व\$वव%यालय अध&नयम म8 &न9न:ल;खत व-तीय संशोधन करता है अथा?त:—

1. संABCत नाम, आरंभ तथा अनु,योग:(1) व&नयम 2013 कहा जाएगा।

इन व&नयम1 को नालंदा व\$वव%यालय व-तीय

(2) ये भारत के राजप म8 ,काशन क+ तारख से ,वृ-त ह1गे।

(3) ये व&नयम इस व\$वव%यालय पर लागू ह1गे, िजनम8 इसके मुKय पLरसर और व\$वव%यालय %वारा Nथापत सभी क8 O तथा &नकाय शा:मल हP।

2. पLरभाषाएं:—इन व&नयम1 म8 जब तक संदभ? म8 अRयथा अपेABत न हो,

(क) ",यु0त Tकए गए एक वचन के शUद1" म8 बहुवचन शा:मल ह1गे और इसके वलोमत:; (ख)

",यु0त Tकए गए पुलिंग का अथ? देने वाले शUद1" म8 N ी:लंग और N ी:लंग का अथ? देने वाले शUद शा:मल ह1गे और इसके वलोमत:;

(ग) शUद और अ:भXयि0तयां जो यहां ,यु0त हुई हP और पLरभाषत नहं हP लेTकन अध&नयम और संवधय1 म8 पLरभाषत क+ गई हP, का अ:भ,ाय वह होगा जो उRह8 Zमश: अध&नयम या संवधय1 म8, जैसा भी मामला हो, ,दान Tकया गया है।

5488 GI/2013

(1)

3. सामारय व-तीय माग?&नदश:

(1) संNवीकृत के ,ाधकार के Nतर का &नधा?रण करने के :लए, ,येक सौदे के संबंध म8 संNवीकृत या खच? क+ गई पूर रा:शन Tक सौदे क+ Tकसी TकNत या भाग को हसाब म8 :लया जाएगा।

(2) कोई भी अधिकार ऐसे Tकसी खच? क+ Nवीकृत नहं देगा जो ,यB या अ,यB _प से उसके अपने फायदे या लाभ के :लए हो।

(3) Tकसी वष? म8 Tकए गए सभी Xयय, या तो राजNव या पूंजी ,कृत के , उस वष? के :लए Xयय को पूरा करने के :लए अनुमोदत वाष?क बजट म8 आवंटत धनरा:श के भीतर होगा और वाष?क बजट अनुमोदन केवल एक सामारय संNवीकृत है और इन व&नयम1 म8 यथाव&नद?bट तरके से Xयय करने के :लए सबम ,ाधकार का व:शbट अनुमोदन होगा और सभी Xयय Tकसी व:शbट ,कार/,कृत के Xयय के :लए ,ाधकृत संगत सीमाओं के अदयधीन ह1गे।

(4) व\$वव%यालय के मुKय शैB;णक और काय?कार ,मुख होने के नाते कुलप&त का व-तीय मामल1 पर पूण? अधिकार होगा और वह व-तीय और ,शास&नक मामल1 का &नरBण करेगा: परंतु यह Tक कुलप&त अपनी व-तीय और ,शास&नक शि0तयां अRय अधकालRय1, ,ाधकार, स:म&त या व\$वव%यालय के कम?चार, िजसे ठाक समझा जाए, को :ल;खत _प म8 ,यायोिजत कर सकता है;

परंतु यह भी Tक व\$वव%यालय के अधकालRय1 और कम?चार को कुलप&त क+ शि0तय1 का ,यायोजन कुलप&त के अंतम &नयं ण के अदयधीन होगा।

(5) कोई अधिकार जो अपने पद या ,यायोजन के कारण व-तीय शि0तय1 का ,योग कर रहा है, अपनी शि0तय1 का ,योग और काय? को कुलप&त %वारा ,यायोिजत सीमा तक करेगा।

4. व-तीय ,ाधकार:

(1) व-त स:म&त व\$वव%यालय के व-तीय मामल1 को देखेगी।

- (2) कोई अधिकार या, अधिकार या स:म&त या &नकाय िजसे व-तीय, TZया, -यायोिजित क+ गई है, केवल एक लाख _पये मूय तक क+ वNतुओं या सेवाओं क+ खरद या ठेका कर सकता है और ऐसे, -यायोजन क+ अनुपिNथ&त म8 कुलप&त इन वNतुओं, सेवाओं क+ खरद या ठेका का अनुमोदन करेगा।
- (3) कुलप&त एक लाख _पये से अधिक तथा प्चीस लाख _पये तक के मूय क+ वNतुओं या सेवाओं या ठेका क+ सभी खरद का अनुमोदन उ0त, योजन के :लए कुलप&त %वारा गठत Zय स:म&त क+ :सफालरश के अनुसार करेगा।
- (4) कुलप&त Zय स:म&त क+ :सफालरश पर प्चीस लाख _पये से अधिक मूय क+ वNतुओं या सेवाओं या ठेका क+ सभी खरद का अनुमोदन करेगा।

'Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

3

- (5) सभी खरद, कायि का &नbपादन, मजूदर पर सेवाएं लेने और अरय संबंधत मामले इसके बाद इन व&नयम1 म8, द-त Zय, TZया के अनुसार Tकए जाएंगे।
- (6) व\$वव%यालय क+ संवधय1 के खाड 10(घ) के अनुसार, व-त स:म&त के पास 25 लाख nपये से अधिक के Xयय िजसका, ावधान बजट म8 न Tकया गया हो, क+ संNवीकृत &त, दान करने का अधिकार होगा।
- (7) व-तीय शि0तय1 के, -यायोजन के संबंध म8 कुलप&त व\$वव%यालय के Tकसी अरय, ाधिकार, अधिकार या कम?चार को शि0तयां, -यायोिजित करते समय मौ0क सीमाएं व&नद?bट करेगा और इस, कार Tकसी अधिकार को, -यायोिजित व-तीय शि0त Tकसी अरय अधिकार को पुनः, -यायोिजित नहं क+ जाएगी या इस व-तीय शि0त का, योग समतुय पद के Tकसी अरय अधिकार %वारा नहं Tकया जाएगा।
- (8) यद, -यायु0त, -यायोिजित शि0तय1 का, योग करने के :लए उपिNथत नहं है तो कुलप&त के व:शbट अनुमोदन से ऐसी शि0त के, योग के :लए वैकिपक XयवNथाएं क+ जा सकती हP।
- (9) समय-समय पर लागू संवधय1, व&नयम1, अतयादेश1 या &नयम1 के अनुसार कुलप&त या व\$वव%यालय के, ाधिकृत अधिकार %वारा, ाधिकृत नकद संवतरण को छोड़कर दस हजार _पये से अधिक के अरय सभी संवतरण आदाता खाता चैक %वारा, तार %वारा अंतLरत या इले0tो&नक &नध अंतरण %वारा Tकया जाएगा और ये संवतरण िजस दन Tकए जाते हP उस दन खात1 म8 दज? Tकए जाएंगे अथा?त िजस दन चैक जार Tकया जाता है, &नधय1 का अंतरण Tकया जाता है या नकद भुगतान Tकया जाता है।
- (10) जब तक अरयथा व&नद?bट नहं Tकया जाए, सभी व-तीय मामल1 के संबंध म8 अव:शbट शि0तयां व-त स:म&त के पास रहेगी।

5. कुलप&त क+ व-तीय शि0तयां:

- (1) Xयय दो शीषi म8 वभािजित Tकया जाएगा अथा?त् पूंजी Xयय और राजNव Xयय।
- (2) पूंजीगत वNतुओं म8 सभी उपकरण, फनvचर, Tफ0सर और भवन तथा अरय संबंधत मामले शा:मल हP। राजNव Xयय म8 वेतन के अलावा, सभी दैनंदन खचि जैसे रखरखाव, उपयोगता wबस, Nटेशनर, काया?लय के खचि, पLरवहन, ववध, आकिNमकताएं, आ&तxय और संवधा?ना-मक ग&तवधय1 और अरय संबंधत मामले शा:मल ह1गे।
- (3) कुलप&त राजNव और पूंजीगत वNतुओं दोन1 के संबंध म8, -येक अवसर पर संपूण? Xयय क+ मंजूर दे सकता है बशतः Tक &नधयां उपलUध हो; परंतु यह Tक पचीस लाख _पये से अधिक के सभी Xयय क+ सूचना व-त स:म&त को द जाएगी।

6. व-तीय वष?:

नालंदा व\$वव%यालय का व-तीय वष? 1 अ्रैल से अगले वष? के 31 माच? तक होगा।

7. &नधयां:

- (1) व\$वव%यालय का एक सामारय &नध खाता होगा िजसम8 व\$वव%यालय %वारा भारत सरकार से, ाICT &नधयां जमा क+ जाएंगी।

- (2) अरय देश1 या अरय योत1 से, ात्त & नधयां अलग खात1 म8 रखी जाएंगी और इस ,कार के खात1 क+ संकया व\$वव%यालय क+ काया?मक अपेBाओं के अनुसार Rयूनतम होगी।
- (3) & नधय1 का ,शासन कुलप&त या व\$वव%यालय के अरय नाम&नद?बट अधकालरय1 %वारा Tकया जाएगा।

8. उपहार1 और दान क+ नवीकृत:

- (1) व\$वव%यालय कुलप&त के अनुमोदन से उपहार या दान नवीकार कर सकता है :
परंतु यह Tक िजन ,योजन1 के :लए अंशदान दए जा रहे हP वे नालंदा व\$वव%यालय अध&नयम 2010 (2010 का 39) म8 & नद?बट उडे\$य1 के अनुप ह1।
- (2) दानदाता %वारा व&नद?बट ,योजन1 के :लए नवीकृत धनरा:श Rयास या धमा?दा या व:शbट & नधयां समझी जाएंगी।
- (3) पूर्व ए:शयाई :शखर स9मेलन के सदNय रा{य1 से, ात्त धनरा:श को उनके %वारा Tकया गया व-तीय अंशदान समझा जाएगा और इस _प म8 सूचत Tकया जाएगा।
- (4) नवैिछक अंशदान , उपहार और दान, िजसम8 ,यB या अ,-यB _प से व\$वव%यालय के :लए अ&तLर0त व-तीय देयता शा:मल है, यद ऐसे खच? अथवा अ&तLर0त व-तीय देयता के :लए बजट ,ावधान है तो कुलप&त क+ पूर्व? अनुम&त से ह नवीकार Tकए जा सकते हP।
- (5) ऐसी नवीकृत धनरा:शयां िजसका ,योजन व&नद?बट नहं है , संगत व-तीय अवध के :लए खात1 म8 ववध आय समझी जाएगी।
- (6) कुलप&त वNतु _प म8 दान नवीकार करने का अनुमोदन दे सकता है िजसका समुचत खाता रखा जाएगा।

9. & नधय1 क+ रसीद:

- (1) कुलप&त अथवा कुलप&त %वारा ,ाधकृत अधिकार को व\$वव%यालय क+ ओर से नकद या चैक ,ात्त करने क+ अनुम&त होगी िजसके :लए तुरंत अन&तम रसीद द जाएगी और उ0त धनरा:श त-काल & नधा?Lरत बPक खाते म8 जमा क+ जाएगी अथवा यद बPक खुला नहं है तो अनथायी _प से व\$वव%यालय के काया?लय म8 सुरABत रखी जाएगी।
- (2) ऐसी धनरा:श को नवीकार करने के :लए ,ाधकृत अधिकार तदुपरांत दो काय? दवस के भीतर अं&तम रसीद जार करना सु&निश्चत करेगा।

¹Hkkx IIIµ[k.M 4^o

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

5

10. व\$वव%यालय के बPक खाते और हNताBRक-ता?ः

- (1) व\$वव%यालय भारतीय मुOा या वदेशी मुOा के ऐसे खाते रखेगा जो इसके ,चालन के :लए आव\$यक हो।
- (2) कुलप&त व\$वव%यालय के व:भरन बPक खाते खोलने , बPक खाते चलाने के :लए हNताBRक-ता?ओं को ,ाधकृत करने, बPक खाते चलाने के :लए हNताBRक-ता?ओं म8 बदलाव अथवा Tकसी या सभी बPक खात1 को बंद करने का आदेश दे सकता है।
- (3) कुलप&त व\$वव%यालय क+ ओर से सभी चैक और पे-आड?र पर हNताBR करने के :लए दो अधकालरय1 को ,ाधकृत कर सकता है।
- (4) Tकसी Xयि0त को चेक तथा पे-ऑड?र1 पर हNताBR करने का ,ाधकार Xयि0तगत आधार पर ,यायोिजत Tकया जाता है और वह यह ,ाधकार Tकसी अरय Xयि0त को ,यायोिजत नहं करेगा।
- (5) व-त अधिकार यह सु&निश्चत करेगा Tक जब चैक अथवा अरय भुगतान & नद[श जार Tकए जा रहे हP तो बPक खाते म8 पया?त्त धनरा:शयां ह1।

11. मुOा व&नमय:

नालंदा व\$वव%यालय के बPक खात1 के ,चालन के :लए िज9मेदार अधिकार काया?लय का कामकाज चलाने के :लए आव\$यक Rयूनतम सीमा को छोड़कर एक मुOा का व&नमय दूसर मुOा म8 नहं करेगा।

12. नकद अ}म:

- (1) कुलपति को उन अधिकारियों को नकद अंश मंजूर करने का अधिकार होगा, जो वित्तियालय द्वारा इस योजना के लिए नामित नोट दिए गए हों।
- (2) विजन अधिकारियों को नकद अंश दिए जाते हों वे इस प्रकार द गरी राश के उचित बंधन और सुरक्षित रखरखाव के लिए नियमित रूप से विजयमेदार होंगे तथा उनका व-तीय देयता होगी और उरह हर समय इन अंश राशियों का हिसाब देने का विनियम मं होना चाहिए और वे अधिमानतः एक माह के भीतर इसका समय पर लेखा नित कर होंगे।
- (3) व-त अधिकार यह सुनिश्चित करेगा कि सभी अंश राशियों का आवधिक रूप मं समायोजन और मलान किया जाता है।
- (4) वित्तियालय का संतुष्टि के लिए उचित, तथ्य और तथ्य के एवज मं वनतुओं और सेवाओं का आपूर्ति के लिए पाठ्य या आपूर्तिकर्ताओं को अंश राशियां देने पर कुलपति के अनुमोदन से वचार किया जा सकता है जिसका उल्लेख वनियम 24 मं किया गया है।
- (5) वित्तियालय का अनिवार्य दैनिक आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए पचीस हजार रुपये का धनराश का अंश दाय नित सृजित का जा सकती है और आण एवं संवतरण अधिकार द्वारा किया जाएगा।

13. नवेश:

वित्तियालय कुलपति के माध्यम से वित्तियालय का नधय का लेखप मं नवेश इस संबंध मं भारत सरकार के माग नदश के अनुसार कर सकता है।

14. सामान या हा नय को बने खाते डालना:

- (1) कुलपति पूरा जांच के बाद और इस योजना के लिए गठित समित का सफारश पर अनुपयोगी या पुराने हो चुके उपकरण और अरय पारसपितय का हा न को बने खाते मं डालने के लिए, ाधकृत कर सकता है।
- (2) कुलपति अथवा नामित अधिकार यह सुनिश्चित कर होंगे कि पूंजी अधि, ाित और आपूर्तिकर्ता अथवा खरद से संबंधित सभी लरकाड उचित तरके से रखे गये हों।
- (3) जब कोई अचल संपित अधि हत का जाएगी तो इसका रसीद का एक, त लरकाड और संदभ के लिए संबंधित अधिकार को भेजी जाएगी और, येक व-तीय वष के अंत मं वित्तियालय इसके पास उपलुध पूंजीगत वनतुओं का सूची तैयार करेगा।
- (4) जब कोई पारसपित बने खाते डाल जाएगी लोकन इसका नपटानयोय मूय है तो वित्तियालय अपने अधिकतम लाभ के लिए, "जैसे है जहां है" आधार पर इसे बेचने का, यास करेगा, जिसमं आवश्यक समझे जाने पर मुहरबंद नवदा या कोटेशन मंगाना शा:मल है।
- (5) एक व-तीय वष मं बने खाते मं डाल गई सभी वनतुओं का इनके बने खाते लखने के उचित कारण के साथ एक सूची रखी जाएगी।

15. अंतलरम सामारय, ावधान:

ऐसे समय तक जब तक सभी, ाधिकार या नकाय या, टयाएं या वनियम खविनित रूप मं काम न करने लग ह, और जिस सीमा तक वनियम मं, ावधान नहं किया गया है, उस सीमा तक सभी व-तीय मामल मं नणय व-त समित का सफारश पर शासी मंडल का मंजूर से किया जाएगा।

16. अधि, ापण: सामारय माग नदश:

- (1) अधि, ापण काय मं खरद या पने पर, उ-पाद, वनतु, भूसंपदा और काय व सेवाएं सहित संपित अधि हण के लिए अनिवार्य सभी काय शा:मल हों।
- (2) व-त समित वित्तियालय का अधि, ापण, टया के सामारय अनुपालन पर नजर रखेगी।
- (3) वित्तियालय द्वारा सभी अधि, ापण ननल:खत बात को दयान मं रख कर किया जाएगा अथात्

(क) धन के सव:नेठ मूय;

(ख) नपडता, मतखययता और पारद:शता;

- (4) ,येक अध,ापण आदेश या संवदा िजसका मौOक मूय व\$वव%यालय %वारा व&नद?bट व-तीय सीमा से अधिक नह हो, :ल;खत _प म8 या इले0tā&नक साधन1 %वारा Tकया जाएगा।
- (5) उप-व&नयम (4) म8 उल;खत संवदा म8 &न9न:ल;खत बात8 व&नद?bट क+ जाएंगी अथा?त्
- (क) उ-पाद या सेवा क+ ,कृत ;
- (ख) मा ा;
- (ग) ,&त इकाई मूय ;
- (घ) संवदा क+ अवध;
- (ङ) सुपुद?गी और भुगतान क+ शत□ ;
- (च) आपू&त?क-ता? का Uयौरा ।

17. अध,ापण क+ ,TZया:

(क) संवदा दर आमंw त Tकए wबना - (i) ,येक अवसर पर 15000 (पंOह हजार _पये) तक क+ रा:श के उ-पाद1, वNतुओं , काय? &नbपादन और मजदूर पर सेवाओं क+ सभी खरद संवदा दर या बोल आमंw त Tकए wबना क+ जा सकती है, जो सBम ,ाधकार %वारा &न9न:ल;खत ,प म8 दज? Tकए जाने वाले एक ,माणप पर आधालरत होगा:-

"मप ,Xयि0तगत तौर पर इस बात से संतुबट हूं Tक ये खरद गई वNतुएं अपेABत गुणव-ता एवं व&नद[शन1 के अनु_प हP और इनक+ खरद एक भरोसेमंद आपू&त?क-ता? से उचत मूय पर क+ गयी है।"

(ii) ,येक अवसर पर 15000 n. से अधिक तथा 100000/- n. (एक लाख _पये) तक क+ रा:श के उ-पाद1, वNतुओं, काय? &नbपादन और मजदूर पर सेवाओं क+ सभी खरद इस ,योजन के :लए कुलप&त %वारा वधवत _प से गठत Nथानीय खरद स:म&त क+ :सफालरश के आधार पर Tकया जाएगा और खरद स:म&त दर, गुणव-ता और व&नद[शन1 क+ व\$वसनीयता सु&निश्चत करने के :लए बाजार का सव[Bण करेगी और उपयु0त आपू&त?क-ता? क+ पहचान करेगी।

(iii) खरद आदेश देने क+ :सफालरश करने के पूव? स:म&त के सदNय &न9न:ल;खत ,माणप पर संयु0त _प से तसदक करेगा अथा?त्:-

",मा;णत Tकया जाता है Tक हम खरद स:म&त के सदNय , संयु0त _प से और Xयि0तगत _प से खरद के :लए अनुशंसत वNतुं अपेABत व&नद?bट और मा ा क+ है, ,च:लत बाजार दर पर है और अनुशंसत आपू&त?क-ता? संबंधत वNतुओं क+ आपू&त? के :लए व\$वसनीय और सBम है।"

(ख) संवदा दर आमंw त करके - (i) पचीस लाख _पये तक क+ रा:श क+ खरद, अध,ापण ,TZया के मातयम से, इस ,योजन के :लए उपकुलप&त %वारा वधवत _प से गठत खरद स:म&त %वारा क+ जाएगी।

(ग) सी:मत &नवदा जांच - पचीस लाख _पये से अनधक अनुमा&नत मूय क+ वNतुओं क+ खरद, काय? &नbपादन , मजदूर पर सेवाएं लेने के मामले म8 Rयूनतम चार मुहरबंद &नवदाएं या संवदा दर आमंw त क+ जाएगी या एक क+ जाएगी।

(2) सी:मत &नवदा जांच के ,योजन के :लए &न9न:ल;खत ,TZया अपनाई जाएगी, अथा?त्:-

(i) &नवदा दNतावेज क+ ,&तयां Nपीड पोNट/अथवा पंजीकृत डाक अथवा ई-मेल %वारा उन फमि को भेजी जाएंगी जो संबंधत वNतुओं के :लए नालंदा व\$वव%यालय के पंजीकृत आपू&त?क-ता?ओं क+ सूची म8 हP, नालंदा व\$वव%यालय जब तक पंजीकृत आपू&त?क-ता?ओं क+ अपनी सूची तैयार नहं कर लेता है, आपू&त? और &नपटान महा&नदेशालय के पंजीकृत आपू&त?क-ता?ओं क+ सूची का उपयोग Tकया जा सकता है या अनौपचालरक पूछताछ %वारा आपू&त?क-ता?ओं क+ पहचान क+ जा सकती है।

(ii) आपू&त?क-ता? फमि क+ संKया तीन से अधिक होगी और ,&तNप□v आधार पर अपेBाकृत अधिक उ-साहपूव?क अनुकूल &नवदाएं ,ाCत करने के :लए और अधिक संKया म8 अनुमोदत आपू&त?क-ता?ओं क+ पहचान करने का ,यास Tकया जाएगा।

(iii) &नवदा क+ सूचना संबंधत वभाग और व\$वव%यालय म8 ,मुख Nथान1 पर लगाई जाएगी।

लेने क+ अनुमा&नत लागत पचीस लाख _पये से अधिक है, &नवदाएं, खुल &नवदा जांच के मादयम से (iv) &नवदा क+ सूचना और &नवदा दNतावेज व\$वव%यालय क+ वेबसाइट और िवदेश मंालय के आमंw त क+ जाएंगी और इस ,योजन के :लए व□ापन Xयापक पLरचालन वाले कम से कम एक राbtय दै&नक समाचारप म8 और व\$वव%यालय क+ वेबसाइट के साथ-साथ वदेश मं ालय के जLरए सीपीपी पोर्टल पर भी दया जाएगा।

(2) जहां तक संभव है, व□ापन इं□डयन tेड जन?ल म8 भी शा:मल Tकया जाएगा।

(3)&नवदा क+ बो:लयां &नवदा क+ सूचना के ,काशन क+ तारख से तीन सCताह के भीतर ,Nतुत क+ जाएंगी।

परंतु यह Tक उ0त अवध :ल;खत कारण1 से तीन सCताह से कम हो सकती है।

(4) यद खरद का अनुमा&नत मूय पचीस लाख _पये से कम है तो भी सी:मत &नवदा जांच के मादयम से खरद क+ जा सकती है यद -

'Hkkx IIIµ[k.M 4'

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

9

(i) सBम ,ाधिकार यह ,मा;णत करता है Tक मांग अ&नवाय? है और अ&नवाय?ता और अ&नवाय?ता क+ ,कृ&त को देखते हुए व□ापत &नवदा जांच के मादयम से खरद नहं Tकए जाने म8 शा:मल कोई अ&तLर0त खच? उचत है और खरद का पूवा?नुमान 0य1 नहं Tकया जा सका इसके कारण1 को भी :ल;खत _प म8 दज? Tकया जाएगा।

(ii) सBम ,ाधिकार, :ल;खत कारण1 से, यह इंगत कर सकता है Tक लोक हत म8 व□ापत &नवदा जांच के मादयम से वNतुओं क+ खरद करना संभव नहं है।

(iii) आपू&त? के योत &नि\$चत _प से □ात हP और िजन योत1 का दोहन Tकया जा रहा है उनसे आगे Tकसी नए योत क+ कोई संभावना नहं है।

(ड.) एकल &नवदा जांच-&न9न:ल;खत पLरिNथ&तय1 म8 एकल योत से अध,ापण Tकया जा सकता है, अथा?त् :-

(1) यह व\$वव%यालय क+ जानकार म8 है Tक केवल एक खास फम? अपेABत वNतुओं का व&नमा?ता है। (2)

आपात िNथ&त म8 अपेABत वNतुं अ&नवाय? _प से Tकसी खास योत से खरद जाएंगी और इस &नण?य के कारण को दज? Tकया जाएगा और सBम ,ाधिकार का अनुमोदन ,ाCत Tकया जाएगा।

(3) (क) मशीनर के मानक+करण के :लए अथवा उपकरण के मौजूदा समुचय1 के अनुकूल अ&तLर0त पुज् के :लए अपेABत वNतु क+ खरद (सBम तकनीक+ वशेष□ के सलाह पर और सBम ,ाधिकार के अनुमोदन से) केवल चु&नंदा फम? से क+ जाएगी।

(ख) एकल योत से वNतुओं क+ खरद के पहले संबंधत वभाग या शाखा %वारा &न9न:ल;खत ,प म8 ,ोपट□ आट?कल सट?Tफकेट ,दान Tकया जाएगा अथा?त्

(i) अभीbट वNतुओं का व&नमा?ण मैसस?%वारा Tकया जाता है;

(ii) &न9न:ल;खत कारण1 से Tकसी अRय व&नमा?ता %वारा तैयार वNतु या माडेल Nवीकाय? नहं है अथा?त् :-

.....

(iii) व\$वव%यालय के व-त ,भाग क+ Nवीकृ&त%वारा ,ाCत कर ल गई है;

(iv) सBम ,ाधिकार का अनुमोदन%वारा ,ाCत कर :लया गया है।

18. लोक &नमा?ण संगठन1 को काय? का समनुदेशन:

&न9न:ल;खत ,TZया अपनाई जा सकती है:-

(i)व\$वव%यालय अपने ववेक से जी एफ आर के &नयम 132 के तहत दशा?यी गई ,TZया को अपनाकर 10 लाख nपए तक क+ अनुमा&नत लागत का मर9मत काय? सीधे ह करवा सकता है।

(ii)व\$वव%यालय अपने ववेक से मर9मत काय?, िजसक+ लागत दस लाख _पये से अधिक तथा तीस लाख nपए तक होने का अनुमान है, Tकसी लोक &नमा?ण संगठन को स□प सकता है, िजसम8 रा्य लोक &नमा?ण ,भाग, :सवल या wबजल के काय? करने के :लए ,ाधिकृत अRय क8 0य सरकार के संगठन शा:मल हP जैसे

क8 0य लोक &नमा?ण वभाग, सै&नक अ:भयांw क+ सेवा, सीमा सड़क संगठन आद अथवा :सवल और wबजल के काय? करने के :लए क8 0य अथवा रा्य सरकार %वारा Nथापत साव?ज&नक Bे के उपZम शा:मल ह1गे। (iii) 10 लाख तक क+ लागत वाले सभी मूल काय? व\$वव%यालय %वारा उपयु?त 18 (ii) म8 यथा पLरभाषत लोक &नमा?ण संगठन1 को स□पे जा सकते हP।

(iv) 10 लाख से अधिक क+ लागत अनुमान वाले सभी मूल काय? तथा 30 लाख से अधिक क+ लागत अनुमान वाले मर9मत काय? वदेश मं ालय के जLरए शहर वकास मं ालय से परामश? करके उपयु?त 18 (ii) म8 यथा

पलरभाषत लोक &नमा?ण संगठन के माध्यम से कराए जा सकते ह।

19. खरद और अध,ापण स:म&तयां:

(क) खरद स:म&त - खरद स:म&त म8 उपयु0त Nतर के तीन सदNय ह1गे िजसका गठन कुलप&त %वारा Tकया जाएगा।

(ख) अध,ापण स:म&त - (1) अध,ापण स:म&त म8 &न9न:ल;खत Xयि0त शा:मल ह1गे, अथा?त:-

(i) कुलप&त %वारा व\$वव%यालय के :शBक1 या अधकालरय1 म8 से ना:मत दो सदNय;

(ii) व-त अधिकार (पदेन);

(iii) पंजीयक (पदेन);

(iv) व-त स:म&त %वारा अनुमोदत नाम1 के पैनल म8 से कुलप&त %वारा यथापेABत उनके व:शBट ान के :लए सहयोगत दो Xयि0त।

(2) कुलप&त अध,ापण स:म&त के सदNय1 म8 से एक को इसका अदयB भी &नयु0त कर8गे और पंजीयक स:म&त का सचव होगा।

(3) अध,ापण स:म&त के सभी सदNय, पदेन सदNय1 को छोड़कर, का काय?काल एक वष? का होगा।

(4) बैठक के :लए काय?वाह संKया चार होगी।

(ग) भवन और &नमा?ण स:म&त - (1) व\$वव%यालय के भवन और &नमा?ण काय? के ,Nताव िजसका अनुमा&नत मूय पचीस लाख _पये से अधिक है, को ,शास&नक और तकनीक+ मंजूर या संNवीकृत देने के :लए एक भवन और &नमा?ण स:म&त होगी।

2 (क) भवन और &नमा?ण स:म&त म8 &न9न:ल;खत Xयि0त ह1गे, अथा?त:-

(i) कुलप&त - अदयB;

(ii) व\$वव%यालय के :शBक संकाय से एक सदNय िजसे कुलप&त %वारा ना:मत Tकया जाएगा;

(iii) शासी मंडल %वारा, अपनी &नजी है:सयत से, अनुमोदत कम से कम एक वान्तुकार और अ:भयंता सहत तीन ,Kयात पेशेवर या वशेष ;

(iv) भारत सरकार, वदेश मं ालय के वशेष सचव या अपर सचव (व-तीय सलाहकार) अथवा उनके

'Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

11

,&त&नध;

(v) अपर सचव या संयु0त सचव (नालंदा), वदेश मं ालय या उनके ,&त&नध;

(vi) डीन (अकाद:मक योजना), नालंदा व\$वव%यालय;

(vii) व-त अधिकार, नालंदा व\$वव%यालय;

(viii) व\$वव%यालय अ:भयंता, नालंदा व\$वव%यालय;

(ix) रिजNतार, नालंदा व\$वव%यालय (सदNय सचव);

(ख) ना:मत सदNय1 का काय?काल एक वष? का होगा।

(ग) बैठक के :लए काय?वाह संKया सात होगी।

(3) :सवल और wबजल के काय? के तहत &नमा?ण काय?, मर9मत, पलरवध?न और नवपलरवत?न िजसम8 पचीस लाख _पये तक क+ रा:श शा:मल है, के ,Nताव भवन और &नमा?ण स:म&त के समB करना अपेABत नहं होगा और इRह8 ,शास&नक मंजूर कुलप&त %वारा और तकनीक+ मंजूर व\$वव%यालय िNथत अ:भयांw क+ Nटॉफ %वारा द जाएगी।

20. (तकनीक+ ,कृत क+ वान्तुओं के अध,ापण के मामले म8) दो &नवदाएं ,ाCत करना: तकनीक+ और व-तीय -

(क) तकनीक+ ,कृत क+ वान्तुओं जैसे संयं, मशीनर, उपकरण, सॉटवेयर और अरय चीज1 के अध,ापण के मामल1 म8 &नवदाएं &न9नवत दो भाग1 म8 ,ाCत क+ जा सकती ह:

(i) तकनीक+ &नवदा िजसम8 वा:णि?यक &नबंधन1 और शता के साथ सभी तकनीक+ ववरण शा:मल ह1गे; और

(ii) व-तीय &नवदा िजसम8 तकनीक+ &नवदा म8 डिल;खत सभी मद1 के मदवार मूय शा:मल ह1गे। (ख) तकनीक+ &नवदा और व-तीय &नवदा क+ बोल अलग-अलग मुहरबंद :लफाफ1 म8 ह1गी और उस पर वधवत _प से :लखा होगा और ये दोन1 मुहरबंद :लफाफे के अंदर एक बड़े :लफाफे म8 रखा जाना है और यह सामारय स:म&त, जैसा भी मामला हो, %वारा खोला जाएगा जो तकनीक+ _प से यो?य घोषत Tकये गये ह। ताTक ठेका देने के :लए सफल &नवदाक-ता?ओं का मूयांकन, रPTकंग और चयन Tकया जा सके।

21. &नवदा दNतावेज:

भावी आपू&त?क-ता?ओं को दए जानेवाले &नवदा दNतावेज म8 &न9न:ल;खत सूचना या दNतावेज शा:मल ह1गे,

अथा?त:-

(क) &नवदाक-ता?ओं के :लए &नदश

(ख) संवदा क+ शत□

(ग) अपेBाओं क+ अनुसूची

(घ) व&नद?िहटयां और संबंधत तकनीक+ Uयौरा

(ङ) मूय अनुसूची (जिसका इNतेमाल &नवदाक-ता?ओं %वारा अपने मूय बताने के :लए Tकया जाएगा) (च) संवदा ,प

(छ) अरय मानक ,प , यद कोई हो, जिसका इNतेमाल Zेता और &नवदाक-ता?ओं %वारा Tकया जाएगा। 22.

&नवदा ,&तभू&त जमा (अ)म धन) और काय?&नbपादन ,&तभू&त जमा:

(क) बो:लयां आमंw त करने के समय म8 - व□ापत अथवा सी:मत &नवदा जांच के मामले म8 &नवदा वैधता अवध के दौरान &नवदाक-ता? %वारा अपनी बोल वापस लेने या बदलाव करने के ,&त सुरBा के :लए उन &नवदाक-ता?ओं को छोड़कर जो क8 Oय Zय संगठन अथवा वभाग अथवा व\$वव%यालय के साथ पंजीकृत हP , अरय &नवदाक-ता?ओं से &नवदा ,&तभू&त जमा(जो बयाना रा:श के _प म8 भी जाना जाता है) ,ाCत क+ जा सकती है।

(i) &नवदा ,&तभू&त जमा क+ रा:श साधारणतया खरद जानेवाल वNतुओं के अनुमा&नत मूय के दो से पांच ,&तशत के बीच होगी।

(ii) &नवदा ,&तभू&त जमा आदाता खाता □डमांड □ा□ट, सावध जमा रसीद , बPकस? चैक अथवा Tकसी भी वा:णि{यक बPक से Nवीकृत _प म8 बPक गारंट के _प म8 Nवीकार क+ जा सकती है जिससे सभी _प1 म8 व\$वव%यालय के हत1 क+ रBा हो।

(iii) &नवदा ,&तभू&त जमा अं&तम बोल क+ वैधता अवध के बाद पPता:लस दन1 क+ अवध के :लए वैध रहेगी।

(iv) असफल &नवदाक-ता?ओं क+ &नवदा ,&तभू&त जमा अं&तम बोल क+ अवध समाCत होने के बाद शी□ ह और ठेका दए जाने के बाद 30 दन1 म8 या इसके पहले लौटा द जाएगी।

(ख) ठेका दए जाने के चरण म8 - संवदा के उचत काय?&नbपादन को सु&नि\$चत करने के :लए सफल &नवदाक-ता?, जिसे उसके पंजीकरण क+ िNथ&त पर tयान दए wबना ठेका दया गया है,

से ठेके के मूय के पांच से दस ,&तशत क+ दर से काय?&नbपादन ,&तभू&त जमा ल जाएगी।

(i) काय?&नbपादन ,&तभू&त जमा उपयु?0त खंड (क) म8 डिल:खत Tकसी _प म8 हो सकती है।

(ii) काय?&नbपादन ,&तभू&त जमा वारंट दा&य-व सहत आपू&तक-ता? के सभी संवदा-मक दा&य-व1 के पूरा होने क+ तारख के बाद साठ दन1 क+ अवध के :लए वैध रहेगी।

(iii) &नवदा ,&तभू&त जमा सफल &नवदाक-ता? को काय?&नbपादन ,&तभू&त जमा के ,ाCत होने पर लौटा द जाएगी।

¹Hkx IIIμ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

13

23. आपू&त?क-ता?ओं को अ}म या आं:शक भुगतान:

(क) अ}म भुगतान

(1) ,द-त सेवाओं अथवा आपूत? वNतुओं के :लए भुगतान तभी Tकया जाएगा जब सेवाएं पूर हो चुक+ हP या आपू&त? क+ जा चुक+ हP: परंतु यह Tक &न9न:ल:खत मामल1 म8 अ}म भुगतान पर वचार Tकया जा सकता है, अथा?त:-

(i) िजन फमि के पास एअर कंडीशनर, क9Cयूटर1, अरय महंगे उपकरण1 और अरय संबंधत वNतुओं या साम}य1 क+ सव?:संग के अनुरBण का ठेका है उनके %वारा मांगे गए अ}म भुगतान;

(ii) फैw□केशन ठेक1, पूरे काम के ठेक1 और अरय संबंधत मामल1 के ,&त फमि %वारा मांगे गए अ}म भुगतान ।

(2) अ}म भुगतान &न9न:ल:खत सीमाओं से अधिक नहं होगा, अथा?त -

(i) &नजी फमि के :लए संवदा मूय का तीस ,&तशत;

(ii) रा{य सरकार या क8 O सरकार क+ एज8सी अथवा Tकसी साव?ज&नक Bे के उपZम के :लए संवदा मूय का चालस ,&तशत ; अथवा

(iii) अनुरBण संवदा मामले म8 धनरा:श संवदा के अधीन छह महने के :लए देय धनरा:श से अधिक नहं होगी।

(3) (क) संबंधत ,ापण वभाग व\$वव%यालय के व-त Nकंध के परामश? से उप व&नयम (2) म8 डिल:खत ऊपर सीमा (&नजी फमि के :लए अ}म भुगतान के :लए ,&तशतता सहत) म8 छूट दे सकता है।

(ख) अ}म भुगतान करते समय फम? से बPक गारंट के _प म8 पया?Cत सुरBा ,ाCत Tकए जाएंगे।

(ख) आं:शक भुगतान

संवदा म8 &नहत सुपुद?गी क+ शत1 पर &नभ?र करते हुए आपू&त?क-ता? को इसके %वारा संवदा क+ शत1 के अनुसार अपने पLरसर से वNतुएं ,ेषत करने के बाद आं:शक भुगतान Tकया जा सकता है।

24. अध,ापण ,TZया म8 अपनाए जानेवाले मानदंड:

- (1) साव?ज&नक अध,ापण म8 धनरा:श का सव?□ेठ मूय ,ाCत करने के :लए खरद पारदशv , ,&तNप□v और उचत तरके से Tकया जाएगा, िजससे भावी &नवदाक-ता? आ-मव\$वास के साथ अपने ,&तNप□v बो:लयां लगा सक8 ।
- (2) पारद:श?ता और व\$वसनीयता सु&नि\$चत करने के :लए &न9न:ल:खत मानदंड अपनाए जा सकते हP, अथा?त्:-
- (क) &नवदा दNतावेज क+ वषय वNतु Nवत: Nपbट और वशद होगी िजसम8 Tकसी ,कार का संदेह नहं होगा और &नवदा दNतावेज म8 &न9न:ल:खत शा:मल ह1गे -
- (i) &नवदाक-ता?ओं %वारा पूर क+ जानेवाल अह?ताओं क+ पा ता के :लए मानदंड जैसे अनुभव का Rयूनतम Nतर, पूव? के ,दश?न, तकनीक+ Bमता, व&नमा?ण सुवधाएं और व-तीय िNथ&त और अRय संबंधत मामले;
- (ii) Tकसी तरह का वधक ,&तबंध दशा?नेवाल वNतुओं के :लए पा ता मानदंड अथवा वNतुओं क+ उ-पि-त के बारे म8 शत□ और अRय संबंधत मामले िजसे सफल &नवदाक-ता? %वारा पूरा Tकया जाना अपेABत है ;
- (iii) &नवदाएं भेजने क+ ,TZया और तारख, समय और Nथान ;
- (iv) सुपुद?गी क+ शत□;
- (v) काय?&नbपादन को ,भावत करनेवाल वशेष शत□ , यद कोई हो।
- (ख) &नवदाक-ता?ओं को अपनी &नवदाएं भेजने के :लए उचत समय दया जाएगा।
- (ग) &नवदाएं साव?ज&नक _प म8 खोल जाएंगी और &नवदाक-ता?ओं के ,ाधकृत ,&त&नधय1 को &नवदा खोलने म8 भाग लेने क+ अनुम&त होगी।
- (घ) &नवदाएं ,ाCत होने क+ व&नद?bट तारख और समय के बाद ,ाCत &नवदाओं पर वचार नहं Tकया जाएगा।
- (ङ) अपेABत वNतुओं क+ व&नद?बिबटयां wबना Tकसी अNपbटता के Nपbट _प से बताई जाएंगी ताTक भावी &नवदाक-ता? साथ?क &नवदा दर8 भेज सक8 और पया?Cत संKया म8 &नवदाक-ता?ओं को आकष?त करने के :लए व&नद?बिबटयां Xयवहाय? सीमा तक Xयापक ह1गी।
- (च) &नवदाओं के उ-साहपूव?क अनुकूलता के &नधा?रण के मानदंड, सामारय मंच पर बो:लय1 के मूयांकन के :लए tयान म8 रखे जानेवाले मानक1 और कारक1 और Rयूतम बोल लगानेवाले &नवदाक-ता? को ठेका देने के :लए मानदंड &नवदा दNतावेज म8 Nपbट _प से दशा?ए जाएंगे।
- (छ) पLरणामी संवदा से उ-परN Tकसी ववाद, यद कोई हो, के &नपटान के :लए &नवदा दNतावेज म8 उपयु0त ,ावधान रखे जाएंगे।
- (ज) &नवदा दNतावेज म8 Nपbट _प से दशा?या जाएगा Tक पLरणामी संवदा का &न_पण भारतीय कानून1 के अंतग?त Tकया जाएगा।
- (ञ) &नवदाक-ता?ओं को बो:लयां ,ाCत होने क+ अं&तम तारख के समाCत होने के बाद अपनी &नवदा दर1 म8 पLरवत?न या संशोधन करने क+ अनुम&त नहं होगी।
- (ट) (i) पूरे काय? क+ संवदाओं या पLरबकृत और महंगे उपकरण के अध,ापण के :लए वशेष ,कृ&त के ठेक1 के मामले म8 &नवदा दNतावेज1 म8 &नवदा पूव? स9मेलन का एक उपयु0त ,ावधान Tकया जाना चाहए ताTक &नवदा दNतावेज म8 ,ABCत संयं , उपकरण और मशीनर क+ व&नद?बिबटय1 और अRय संबंधत तकनीक+ Uयौरे के बारे म8 संदेह, यद कोई हो, दूर Tकया जा सके और मुZे Nपbट Tकए जा सक8 ।
- (ii) &नवदा पूव? स9मेलन क+ तारख, समय और Nथान &नवदा दNतावेज म8 दशा?या जाएगा और यह तारख &नवदा खुलने क+ तारख से पया?Cत _प से पहले होगी।
- (ठ)(i) यद पुरानी Tकसी वNतु के Nथान पर नई वNतु खरद जा रह है तो वापस खरदने के ,Nताव का उलेख करते हुए &नवदा दNतावेज म8 एक उपयु0त खंड शा:मल Tकया जाएगा ताTक भावी और _च रखनेवाले &नवदाक-ता? तदनुसार अपनी &नवदाएं तैयार कर सक8 ।
- 'Hkkx IIIµ[k.M 4° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 15
- (ii) अदल-बदल क+ जानेवाल पुरानी वNतु का मूय और शत? का Nपbट _प से उलेख Tकया जाएगा :
- परंतु यह Tक &नवदा दNतावेज म8 यह ,ावधान भी रखा जाएगा Tक नई वNतु खरदते समय Zेता पुरानी वNतु को अदल-बदल करे या न करे।
- (ड) (i) ,ाCत &नवदा दर1 का मूयांकन &नवदा दNतावेज म8 पहले ह &नहत शत1 के अनुसरण म8 Tकया जाएगा और बो:लय1 के मूयांकन के :लए कोई ऐसी नई शत? नहं लाई जाएगी जो &नवदा दNतावेज म8 पहले से &नहत नहं है।

(ii) &नवदा क+ उ-साहपूव?क अनुकूलता का &नधा?रण Tकसी बाहर सा?य का सहारा :लये wबना Nवयं &नवदा क+ बोल क+ अंतव?Nतु पर &नभ?र करेगा।

(ढ़) &नवदा क+ बोल खुलने के बाद &नवदाक-ता?ओं के साथ कोई सौदेबाजी नहं होगी :

परंतु यह Tक व:शbट पLरिNथ&तय1 म8 केवल Rयूनतम मूयांTकत अनुकूल &नवदाक-ता? अथा?त एल- 1 से ह सौदेबाजी क+ जा सकती है, यद यह व\$वव%यालय के व-तीय हत म8 ताTक? क और उचत पाई जाती है।

(ण) दर संवदा ,णाल म8, जहां एक ह वNतु के :लए कई फम? दर संवदा पर बुलाई जाती हP, &नवदाक-ता?ओं के साथ सौदेबाजी और जवाबी दर देने क+ अनुम&त है।

(त) (i) ठेका Rयूनतम मूयांTकत बोल लगानेवाले को दया जाएगा :

परंतु यह Tक जहां तदथ? आव\$यकता के ,&त Rयूनतम Nवीकाय? &नवदाक-ता? अपेABत पूर मा ा क+ आपू&त? करने क+ िNथ&त म8 नहं है, शेष मा ा , जहां तक संभव है, Rयूनतम बोल लगानेवाले &नवदाक-ता? अथा?त एल-1 %वारा द गई दर पर उसके बाद अगल उज्चतर बोल लगानेवाले &नवदाक-ता? अथा?त एल-2 से ,ाTत क+ जा सकती है ;

(ii) क8 Oय सतक? ता आयोग के माग?&नद[श1 का अनुपालन Tकया गया है।

(थ) सफल बोल लगानेवाले &नवदाक-ता?, िजसे ठेका दया गया है, का नाम सूचना प? पर :लखा जाएगा या व\$वव%यालय क+ वेबसाइट पर दया जाएगा।

25. अनुरBण संवदा:

(क) खरद जानेवाल वNतुओं क+ लागत और ,कृ&त (सामारय _प म8 पLरbकृत और महंगे उपकरण और मशीनर) पर &नभ?र करते हुए व\$वव%यालय वNतुओं के आपू&त?क-ता? या Tकसी अRय सBम फम? के साथ उपयु0त अवध के :लए अनुरBण ठेका कर सकता है।

(ख) इस ,कार का ठेका करते समय यह tयान म8 रखा जाएगा Tक उपकरण या मशीनर क+ वारंट अवध अथवा ठेका क+ शत1 के अनुसार ऐसी वNताLरत अवध के दौरान आपू&त?क-ता? %वारा इसका &न:शुक अनुरBण Tकया जाएगा और शुक सहत अनुरBण इसके बाद ह आरंभ होगा।

26. सेवाओं का अध,ापण:

सेवाओं क+ अध,ाTत अथा?त Tकसी व:शbट काय? के :लए बा?य पेशेवर1 को मेहनताना पर (बाहर yोत1 से सेवाएं लेने का काम), परामश? फम1 या परामश?क1 को रखा जा सकता है।

27. व&नयम 27 के ,योजन के :लए &न9न:ल;खत दशा&नद[श1 का अनुपालन Tकया जाएगा, अथा?त-

(1) काय? या सेवाओं क+ पहचान करना - (क) ऐसी पLरिNथ&तय1 म8 परामश?क1 के पLर&नयोजन का रानता चुना जा सकता है िजनम8 उज्च गुणव-ता क+ ऐसी सेवाओं क+ ज_रत हो िजसके :लए व\$वव%यालय के पास अपेABत वशेष?ता नह हो। परामश?क1 को पLर&नयोTजित करने से पहले सBम ,ाधकार का अनुमोदन :लया जाना चाहए।

(2) काय? या सेवा के ल?य को पLरभाषत करना (क) काय? या सेवा क+ ज_रत, उZे\$य और वNतार को सरल एवं संABCत भाषा म8 सुNपbट _प से पLरभाषत Tकया जाना चाहए।

(ख) वचाराथ? वषय, िजसम8 पा ता एवं परामश?क %वारा पूरा Tकए जाने वाले पूव?-अह?ता मानदाड दए गए ह1, म8 &न9न:ल;खत शा:मल ह1गे, अथा?त-

(i) उZे\$य1 का संABCत ववरण।

(ii) &नbपादत Tकए जाने वाले काय1 क+ _परेखा।

(iii) &नयत काय1 को पूरा करने क+ समय-सारणी।

(iv) परामश? सेवा को सहज करने के :लए व\$वव%यालय %वारा दया जाने वाला समथ?न या आदान। (v) परामश?क से अपेABत अ&तम पLरणाम।

(3) युT0तसंगत Xयय का आकलन करना - व%यमान बाजार िNथ&त का पता लगा कर और इसी ,कार के काय?कलाप1 से जुड़े अRय संगठन1 से परामश? करके परामश?क1 के ,Nतावत पLर&नयोजन पर होने वाले युT0तसंगत Xयय का आकलन Tकया जाएगा।

(4) संभावत yोत1 या सेवा क+ पहचान करना - (i) सेवाओं के :लए, प?चीस लाख nपए तक के संभावत परामश?क1, स?श काय?कलाप1 क+ परामश? फम1 से जुड़े अRय संगठन1 से क+ गई औपचालरक या अनौपचालरक पूछताछ के आधार पर संभावत परामश?क1 क+ एक सूची तैयार क+ जाएगी।

(ii) पञ्चीस लाख नपए से अधिक क+ सेवाओं के :लए, ावधानीकरण शत? के अलावा (i) परामश?क1 से 'नच क+ अ:भXयि0त' (िजसम8 काय? या सेवा का मुKय ल□य, व\$वव%यालय %वारा दया जाने वाला इनपुट, पा ता एवं परामश?क %वारा पूरा Tकए जाने वाले पूव?-अह?ता मानदंड और समान काय? या सेवा म8 परामश?क के पूव? अनुभव का Uयौरा संBेप म8 दया गया हो) चाहने वाल एक इR0वायर कम से कम एक राbतय दै&नक म8 और व\$वव%यालय क+ वेब साइट म8 ,का:शत क+ जाएगी और वेब साइट का पता भी व□ापन1 म8 दया जाएगा।

(iii) परामश?क1 से कहा जाएगा Tक वे इR0वायर म8 पLरकिपत काय? या सेवा के उZे\$य1 और वNतार पर अपनी टCप:णयां भेज8 और इछुक परामश?क1 से ,यु-तर ,ाCत करने के :लए पया?Cत समय दया जाएगा।

(5) परामश?दाताओं क+ लघुकृत सूची बनाना - इछुक पाट?य1 से ,ाCत ,यु-तर1 के आधार पर अपेBाएं पूर करने वाले परामश?क1 क+ उन पर आगे और वचार करने के :लए लघुकृत सूची बनाई जाएगी और लघुकृत सूचीब□ परामश?क1 क+ संKया तीन से कम नहं होगी।

(6) ,Nताव के :लए अनुरोध जार करना - लघुकृत सूचीब□ परामश?क1 के तकनीक+ एवं व-तीय ,Nताव1 को जानने के :लए उRह8 ,Nताव के :लए अनुरोध जार Tकया जाएगा। इसम8 &न9न:ल;खत शा:मल ह1गे, अथा?त्-

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

17

(i) आमं ण प ;

(ii) ,Nताव के ,Nतुतीकरण क+ ,TZया के संबंध म8 परामश?क1 को जानकार;

(iii) वचाराथ? वषय;

(iv) उस पLरिNथ&त म8 पा ता एवं पूव?-अह?ता मानदंड, जब नच क+ अ:भXयि0त वाल इR0वायर के माdयम से उनका पता नहं लगाया गया हो;

(v) उन ,मुख पद1 क+ सूची िजनके शैABक अ:भलेख एवं काय? अनुभव तथा अनुभव का मूयांकन Tकया जाएगा;

(vi) &नवदा क+ बोल के मूयांकन मानदंड एवं चयन क+ ,TZया;

(vii) तकनीक+ एवं व-तीय ,Nताव के :लए मानक फामT;

(viii) ,Nतावत संवदा शत□;

(ix) काय? क+ ,ग&त क+ मdयका:लक समीBा और अं&तम मसौदा Lरपोट? क+ समीBा के :लए अपनाई जाने वाल ,Nतावत ,TZया

(7) ,Nताव1 को ,ाCत करना एवं खोलना - (क) परामश?क1 से 'दो &नवदा क+ बोल' ,णाल म8 ,Nताव मांगे जाएंगे िजसम8 तकनीक+ एवं व-तीय &नवदाएं अलग-अलग मुहरबंद क+ जाएंगी और दोन1 ह :लफाफे वधवत _प से मुहरबंद अपेBाकृत बड़े :लफाफे म8 रखे जाएंगे।

(ख) &नवदा क+ बो:लयां व&नद?bट Nथान म8 व&नद?bट तारख एवं समय पर ,Nतुत क+ जाएंगी और ,ाCत क+ व&नद?bट तारख एवं समय के बाद ,ाCत बो:लय1 पर वचार नहं Tकया जाएगा।

(ग) बोल ,ाCत होने पर, तकनीक+ ,Nताव पहले खोले जाएंगे।

(8) &नवदा क+ बो:लय1 का मूयांकन - (क) तकनीक+ &नवदाओं का मूयांकन वधवत _प से गठत

स:म&त या उप-स:म&त %वारा Tकया जाएगा और स:म&त तकनीक+ ,Nताव1 को Nवीकृत या अNवीकृत करने के कारण1 को वNतृत _प म8 दज? करेगी।

(ख) उभय&नbठ स:म&त या पृथक स:म&त या उप-स:म&त केवल उRहं &नवदाक-ता?ओं क+ व-तीय &नवदा बो:लय1 को खोलेगी िजरह8 स:म&त %वारा तकनीक+ _प से अह?ता-,ाCत घोषत Tकया गया है और स:म&त परामश? संवदा दए जाने के :लए सफल &नवदाक-ता? का रPक-&नधा?रण करने या चयन करने के :लए व-तीय बो:लय1 का आगे और मूयांकन करेगी।

(9) Tकसी खास परामश?क का नामांकन के %वारा चयन - िजन वशेष पLरिNथ&तय1 म8, व\$वव%यालय के हत म8 Tकसी खास परामश?क का चयन करना अ&नवाय? हो जाए, ऐसे एकल-yोत चयन क+ पूण? औच-य स9मतता फाइल पर दज? क+ जाएगी और ऐसा एकल-yोत चयन अपनाने से पहले सBम ,ाधकार का

अनुमोदन ,ाCत Tकया जाएगा ।

(10) संवदा क+ मॉनीटरिंग करना - परामश?क1 के काय?-&नbपादन क+ &नरंतर मॉनीटरिंग क+ जाएगी ताTक परामशv सेवा का पLरणाम संबंधत वभाग या इकाई के उZे\$य1 के अनु_प ह1 ।

28. बाहर से सेवाएं ,ाCत करना:

बाहर से सेवाएं ,ाCत करते समय &न9न:ल;खत मूलभूत माग?&नद[श1 का अनुपालन Tकया जाएगा ; अथा?त् :- (1) संभावत ठेकेदार1 क+ पहचान - संबंधत वभाग या क8 O या ईकाई इसी ,कार के काय□ म8 लगे अRय संगठन1 से औपचालरक या अनौपचालरक पूछताछ, 'येलो पेजेज', 'ेड जन?स, वेबसाइट के आधार पर संभावत ठेकेदार1 क+ सूची तैयार करेगी।

(2) &नवदा जांच क+ तैयार - &नवदा जांच म8 &न9न:ल;खत बात8 शा:मल ह1गी अथा?त् :-

(i) ठेकेदार %वारा Tकए जाने वाले काय? या सेवा का Uयौरा ;

(ii) सुवधाएं और आदान जो व\$वव%यालय %वारा ठेकेदार को उपलUध कराए जाएंगे ;

(iii) अपेABत काय? या सेवा के &नbपादन के :लए ठेकेदार %वारा पूरे Tकए जानेवाले पा ता और अह?ता मानक ;

(iv) ठेकेदार %वारा अनुपालन Tकए जानेवाले सांवधक और संवदा-मक दा&य-व।

(3) &नवदाएं आमंw त करना - (A) पचीस लाख _पये तक क+ सेवाओं के :लए -

(i) चिरहत ठेकेदार1 क+ आरं:भक सूची क+ जांच क+ जाएगी ;

(ii) ,थम□bटया पा ता और सबम ठेकेदार1 का &नधा?रण करेगा ;

(iii) एक व&नद?bट तारख और समय तक उनक+ पेशकश के बारे म8 पूछने के :लए उRह8 सी:मत &नवदा इन0वायर जार करेगा (ऐसे चिरहत ठेकेदार1 क+ संKया चार से कम नहं होगी)।

(B) पचीस लाख _पये से अधिक क+ सेवाओं के :लए - संबंधत वभाग या क8 O या ईकाई कम से कम लोक,य Xयापक _प से पLरचालन वाले समाचारप और व\$वव%यालय क+ वेबसाइट पर व&नद?bट तारख और समय तक क+ जानेवाल पेशकश के बारे म8 पूछने के :लए व□ापत &नवदा इन0वायर जार करेगी। (4) &नवदा क+ ,ाCत और मूयांकन -(i) व&नद?bट तारख और समय के बाद ,ाCत &नवदाओं पर वचार नहं Tकया जाएगा।

(ii) ठेका देने के :लए सफल &नवदाक-ता? के चयन के :लए अनुकूल बो:लय1 का मूयांकन, पृथ0करण और Zम &नधा?Lरत Tकया जाएगा।

(5) वकप %वारा बाहर से सेवाएं लेना - अपवाद क+ िनथ&त म8 व\$वव%यालय म8 सबम ,ाधकार व\$वव%यालय के व-त Nकंध के परामश? से व:शbट _प से चुने गए ठेकेदार से सेवा ले सकते हP और ऐसे मामल1 म8 इसका वNतृत औच-य :ल;खत _प म8 दज? Tकया जाएगा Tक िजन पLरिनथ&तय1 म8 वकप %वारा बाहर से सेवाएं ल गई हP और िजस वशेष हत अथवा ,योजन को यह पूरा करेगा, इस ,Nताव का अहम हNसा होगा।

(6) ठेके क+ मॉनीटरिंग - ठेके के संचालन और काय?&नbपादन क+ &नरंतर मॉनीटरिंग क+ जाएगी।

'Hkxx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

19

29. इसम8 व;ण?त सभी व&नयम, वे जहां तक जीएफआर तथा डीएफपीआर के ,ावधान1 के समान हP, लागू ह1गे, बशत[क+ कोई वशेष छूट नहं द गयी ह1। ऐसी छूट ,ाCत करने के :लए ,Nताव वदेश मं ालय को ,Nतुत Tकए जाएंगे और सबम ,ाधकार का अनुमोदन ,ाCत Tकया जाएगा।

30. ऐसे सभी ,ावधान1, िजरह8 इन व&नयम1 म8 शा:मल नहं Tकया गया है, के मामले म8 व-त मं ालय %वारा समय-समय पर जार Tकए गए तथा यथा,ायोिजत जीएफआर और डीएफपीआर के ,ावधान लागू ह1गे।

डॉ. अनुपम रे, संयु0त सचव (नालंदा)

[foKkiu&III@4@vlk/kj.k@191&Mh@13]

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th December, 2013

No. S/321/24/2011. — In exercise of the powers conferred by Section 30 of the Nalanda University Act, 2010 (39 of 2010), the Governing Board makes the following Financial Regulations of the Nalanda University, namely:—

Short title, commencement and application

1. (1) These Regulations may be called the Nalanda University Financial Regulations, 2013.

(3) These regulations shall apply to the University including the main campus and all the Centres and Bodies set up by the University.

Definitions

2. In these Regulations, unless the context otherwise requires,

- (a) “imparting the singular number” shall include the plural number and vice-versa;
- (b) “imparting masculine gender” shall include the feminine gender and vice-versa;
- (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act and the Statutes shall have the meaning respectively assigned to them in the Act or the Statutes, as the case may be.

General Financial Guidelines

3. (1) To determine the level of authority for sanction, the amount sanctioned or incurred in respect of each transaction as a whole and not any installment or part of a transaction shall be taken into account.

(2) No officer shall sanction expenditure which may directly or indirectly be to his own advantage or benefit.

(3) All expenses, either of revenue or capital nature, incurred in any year shall be within the approved annual budget allocated for that year for meeting the expenditure and the annual budget approval is only a general sanction and there shall be specific approval of the competent authority for incurring expenditure in the manner as specified under these Regulations and all expenditures shall be subject to the relevant limits authorized for a particular kind/nature of expenditure.

(4) The Vice-Chancellor, as the principal academic and executive head of the University, shall have the full authority over financial matters and shall supervise the financial and administrative matters: provided that the Vice-Chancellor may delegate in writing his financial and administrative powers to other officers, authority, committee or employee of the University as deemed fit:

Provided further that the delegation of powers by the Vice-Chancellor to the officers and staff of the University shall be subject to ultimate control of the Vice-Chancellor.

(5) Any officer exercising financial powers either by virtue of his post or by delegation shall exercise his powers and functions to the extent delegated by the Vice-Chancellor.

Financial Authority

4. (1) The Finance Committee shall oversee the financial matters of the University.

(2) An officer or authority or committee or body to whom or to which, the financial power has been delegated may approve purchase of goods or services or contracts valued up to rupees one lakh only and in the absence of any such delegation, the Vice-Chancellor shall approve the purchase of such goods, services or contracts.

(3) The Vice-Chancellor shall approve all purchases of goods or services or contracts valued above rupees one lakh and up to rupees twenty five lakhs as per the recommendation of a Purchase Committee constituted by the Vice-Chancellor for the said purpose.

(4) The Vice-Chancellor shall approve all purchases of goods or services or contracts valued over rupees twenty five lakhs on the recommendation of the Procurement Committee.

(5) All purchases, execution of works, hiring of services and other related matters shall be made as per the Procurement Procedure hereinafter provided in these Regulations.

(6) As per section 10(d) of the Statutes of the University, the Finance Committee shall have the power to sanction expenditure above Rupees twenty five lakhs which has not been provided for in the budget.

(7) In case of delegation of financial powers, the Vice-Chancellor shall specify the monetary limits while delegating powers to any other Authority, Officer or employee of the University and the financial power assigned to such delegate shall not be further delegated to any other officer or such financial power shall not be exercised by any other officer of equivalent rank.

(8) If the delegate is not present to perform the delegated financial powers, alternative arrangements for exercising such power may be made with the specific approval of the Vice-Chancellor.

(9) All disbursements above rupees ten thousand shall be made by account payee cheque, by wire transfer or by electronic funds transfer, save and except the cash disbursements authorised by the Vice-Chancellor or authorized officer to the University staff, as per the Statutes, Regulations or Ordinances in force from time to time and disbursements shall be recorded in the accounts on the day on which they are made, that is, on the day of issue of cheque, transfer of funds or payment made in cash.

(10) Unless otherwise specified, the residual powers in respect of all financial matters shall be with the Finance Committee.

Financial Powers of the Vice-Chancellor

5. (1) Expenditure shall be divided under two heads, namely, Capital Expenditure and Revenue Expenditure.

(2) Capital items include all equipment, furniture, fixtures and buildings and other related matters. Revenue expenditure, in addition to salary, shall cover all day to day expenses such as maintenance, utility bills, stationery, office over-heads, travel, miscellaneous, contingencies, hospitality and promotional activities and other related matters.

(3) The Vice-Chancellor may sanction expenditure in full on each occasion, both in respect of Revenue and Capital items, subject to availability of funds;

Provided that all expenditure above rupees twenty five lakhs, shall be reported to the Finance Committee.

Financial Year

6. The financial year of Nalanda University shall be 1st April to 31st March of the following year.

Funds

7. (1) The University shall have a general fund account to which funds received by the University from the Government of India shall be credited.

(2) The funds received from other countries or from other sources shall be kept in separate accounts and the number of such accounts shall be the minimum necessary as per the functional requirements of the University.

(3) The funds shall be administered by the Vice-Chancellor or other designated officers of the University.

'Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

21

Acceptance of gifts and donations

8. (1) The University, with the approval of the Vice-Chancellor, may accept gifts or donations:

Provided that the purposes for which the contributions are made are consistent with the aims of the University as set out in the Nalanda University Act, 2010 (39 of 2010).

(2) Monies accepted for the purposes specified by the donor shall be treated as trust or endowment or specific funds.

(3) Monies received from other Member States of East Asia Summit shall be treated as financial contributions by them and reported as such.

(4) Voluntary contributions, gifts and donations which directly or indirectly involve additional financial liability for the University may be accepted only with the prior approval of the Vice-Chancellor if the budget provision exists for such expenditure or additional financial liability.

(5) Monies accepted in respect of which no purpose is specified shall be treated as miscellaneous income in the accounts for the relevant financial period.

(6) The Vice-Chancellor may approve acceptance of donations in kind for which proper account shall be maintained.

Receipt of Funds

9. (1) The Vice-Chancellor or officials authorized by the Vice-Chancellor shall be allowed to receive cash or cheques on behalf of the University for which a provisional receipt shall be issued immediately and the said amount shall immediately be deposited in the designated bank account or temporarily kept in the safe custody of the office of the University if the bank is not open.

(2) The official authorised to accept such amount shall subsequently ensure issuance of final receipt within two working days.

Bank Accounts of the University and Signatories

10. (1) The University shall maintain such Indian currency or foreign currency accounts as may be necessary for its operations.

(2) The Vice-Chancellor may order opening of various bank accounts, authorise signatories to operate bank accounts, modify signatories to operate bank accounts or order closure of all or any of the bank accounts of the University.

(3) The Vice-Chancellor shall authorise officials to sign cheques and pay orders issued on behalf of the University and all cheques and pay orders shall be signed by two officials.

(4) The authority to any person to sign cheques and pay orders is delegated on a personal basis and shall not be re-assigned by such person.

(5) The Finance Officer shall ensure that there are sufficient funds in the bank account when cheques and other payment instructions are issued.

Exchange of Currencies

11. Officials responsible for the operation of the Nalanda University bank accounts shall not exchange one currency for another, except to the minimum extent necessary for the transaction of official business.

Cash advances

12. (1) The Vice-Chancellor shall have the authority to approve cash advances to the officials designated for this purpose by the University.

(2) The officers to whom cash advances are issued shall be held personally accountable and financially liable for the proper management and safekeeping of cash so advanced and must be in a position to account for these advances at all times and they shall submit timely accounts for the same, preferably within one month.

(3) The Finance Officer shall ensure that all advances are periodically adjusted and reconciled.

(4) Advances for supply of goods and services to parties or suppliers may be considered for approval by the Vice-Chancellor against proper securities to the satisfaction of the University, as referred to in Regulation 24.

(5) An imprest of up to rupees twenty-five thousand each may be created for urgent day to day needs and requirements of the University and shall be operated only by designated Drawing and Disbursing Officer [DDO].

Investments

13. The University through the Vice-Chancellor may invest University funds in instruments as per Government of India guidelines in this regard.

Writing off of stores or losses

14. (1) The Vice-Chancellor may, after full investigation, and on the recommendations of Finance Committee, authorise the write off or loss of equipments and other assets on account of age or non-serviceability.

(2) The Vice-Chancellor or designated officials shall ensure that all records on account of capital acquisitions and supplies or purchase have been maintained properly.

(3) When any fixed asset is acquired, a copy of the voucher shall be forwarded to the concerned officer for record and reference and the University shall prepare an inventory of the capital items held by it at the end of each financial year.

(4) When an asset is written off but has disposable value, the University shall try to dispose it off to its best advantage on "as is where is" basis including by calling for sealed tenders or quotations where deemed necessary. (5)

A list of all items written off in a financial year along with proper justification shall be maintained.

Interim general provision

15. Till such time as all the authorities or bodies or procedures or regulations are put in place, the decision in all financial matters and to the extent not provided for in the Statutes may be approved by the Governing Board on the recommendations of the Finance Committee.

Procurement: General guidelines

16. (1) Procurement functions include all actions necessary for the acquisition, by purchase or lease of property, including products, goods and real estate, and of services, including works.

(2) The Finance Committee shall oversee the general observance of the Procurement Procedure of the University.

(3) All procurements shall be made by the University having regard to the following considerations, namely:—

- (a) Best value for money;
- (b) Fairness, economy and transparency;

(4) Every procurement order or contract with a monetary value not exceeding the financial limits specified by the University may be in writing or by electronic means.

(5) The contract referred to in sub-regulation (4) shall specify the following,

- namely:-
- (a) nature of the product or service;
 - (b) quantity;
 - (c) price per unit;
 - (d) period of contract;
 - (e) terms of delivery and payment;
 - (f) details of the supplier

Procedure for Procurement**17. (a) Without inviting quotation -**

(i) All purchases of products and goods, execution of works and hiring of services up to an amount of Rs. 15000/- (Rupees fifteen thousand) only on each occasion may be made without inviting quotations or bids on the basis of a certificate to be recorded by the competent authority in the following format:-

“I, _____, am personally satisfied that these goods purchased are of requisite quality and specification and have been purchased from a reliable supplier at a reasonable price.”

(ii) All purchases of products and goods, execution of works and hiring of services above Rs. 15000/- (Rupees fifteen thousand) only and upto Rs 1,00,000/- (Rupees One lakh) only on each occasion may be made on the recommendation of a Local Purchase Committee consisting of three members duly constituted by the Vice-Chancellor for the purpose and the Purchase Committee shall survey the market to ascertain the reasonableness of rates, quality and specifications and identify the appropriate supplier.

(iii) Before recommending placement of the purchase order, the members of the Committee shall jointly record the following certificate, namely:-

“Certified that we _____, the members of the Purchase Committee, are jointly and individually satisfied that the goods recommended for purchase are of the requisite specification and quality, priced at the prevailing market rate and the supplier recommended is reliable and competent to supply the goods in question.”

(b) By inviting quotations -

The purchase or procurement process through the Limited Tender Enquiry for an amount up to rupees twenty five lakhs is to be conducted by a Purchase Committee duly constituted by the Vice-Chancellor for the said purpose.

(c) Limited Tender Enquiry-

(1) In case of purchase of items, execution of works, hiring of services whose estimated value not exceeding rupees twenty five lakhs, a minimum of four sealed tenders or quotations shall be called for or collected.

(2) For the purposes of Limited Tender Enquiry, the following procedure shall be adopted, namely:-

(i) copies of the bidding document shall be sent directly by speed post or registered post or courier or e-mail to firms which are borne on the list of registered suppliers for the goods in question with the Nalanda University, till the time Nalanda University prepares a list of registered suppliers of its own, the list of registered suppliers of Directorate General of Supplies and Disposals may be used or suppliers may be identified by informal enquiries.

(ii) The number of supplier firms shall be more than three and efforts shall be made to identify a higher number of approved suppliers to obtain more responsive bids on competitive basis.

(iii) The notice of tender shall be displayed at prominent places in the concerned Department and the University.

(iv) The notice of tender and the bidding document shall be put on the web site of the University and on the CPP Portal through MEA.

(v) A period of not less than three weeks shall be allowed for submission of bids and if the circumstances so warrant, this time period may be curtailed by the competent authority for reasons to be recorded in writing.

(d) Advertised Tender Enquiry-

(1) Where the estimated cost of products and goods, execution of works and hiring of services is above rupees twenty five lakhs, tenders shall be invited through an open tender enquiry and the process shall be conducted by the Procurement Committee and advertisement for this purpose shall be given in at least one national daily having wide circulation and also posted on the web-site of the University as well as on the CPP Portal through MEA.

(2) As far as possible, the advertisement shall also be inserted in the Indian Trade Journal.

(3) The period for submission of bids shall be three weeks from the date of publication of the notice of the tender:

Provided that the said period may be curtailed for reasons to be recorded in writing.

(4) Purchase through Limited Tender Enquiry may be adopted in the following cases even if the estimated value of the procurement is more than rupees twenty five lakhs if –

(i) the competent authority certifies that the demand is urgent and any additional expenditure involved by not procuring through advertised tender enquiry is justified in view of the urgency and the nature of the urgency and reasons why the procurement could not be anticipated should also be recorded in writing.

(ii) the competent authority may, for reasons to be recorded in writing, indicate that it is not possible to procure the goods through advertised tender enquiry in the public interest.

(iii) the sources of supply are definitely known and there is no possibility of fresh source beyond those being tapped.

(e) Single Tender Enquiry-

- (iii) three eminent professionals or experts, including at least one architect and one engineer, in their individual capacities, approved by the Governing Board;
- (iv) Special Secretary or Additional Secretary (Financial Advisor) in the Government of India, Ministry of External Affairs or his representative;
- (v) Additional Secretary or Joint Secretary (Nalanda), Ministry of External Affairs or his representative;
- (vi) Dean (Academic Planning), Nalanda University;
- (vii) Finance Officer, Nalanda University;
- (viii) University Engineer, Nalanda University;
- (ix) Registrar, Nalanda University (Member Secretary);
- (b) The term of nominated members shall be of one year.
- (c) The quorum for a meeting shall be seven.

(3) Proposals for construction works, repairs, additions under civil and electrical works, and renovation involving an estimated amount up to rupees twenty-five lakhs shall not be required to be placed before the Buildings and Works Committee and they shall be accorded administrative sanction by the Vice-Chancellor and technical sanction by the engineering staff in place in the university.

Obtaining Two Bids.- Technical and Financial (In the Cases of Procurement of Goods of Technical Nature) 20.

(a) In the cases of procurement of goods that are technical in nature such as plant, machinery, equipment, software and other things, bids may be obtained in two parts as under:

- (i) technical bid consisting of all technical details along with commercial terms and conditions; and
- (ii) financial bid containing item-wise price for the items mentioned in the technical bid.

(b) The technical bid and the financial bid shall be sealed by the bidder in separate covers duly superscribed and both these sealed covers are to be put in a bigger cover which should also be sealed and superscribed.

(c) The technical bids shall be opened first and evaluated by a committee or sub-committee constituted for this purpose and the said committee shall record in detail the reasons for acceptance or rejection of the technical proposals analyzed and evaluated by it.

(d) At the second stage, the financial bids of only those bidders who have been declared technically qualified shall be opened by another committee or sub-committee or the common committee, as the case may be, for further evaluation, ranking and selecting the successful bidder for award of the contract.

Bidding Document

21. The bidding document to be given to prospective suppliers shall contain the following information or documents, namely:—

- (a) Instructions to bidders
- (b) Conditions of contract
- (c) Schedule of requirements
- (d) Specifications and allied technical details
- (e) Price Schedule (to be utilized by the bidders for quoting their prices)
- (f) Contract Form
- (g) Other Standard Forms, if any, to be utilized by the purchaser and the bidders.

Bid Security (Earnest Money) and Performance Security

22. (a) *At the Stage of Inviting Bids* - To safeguard against a bidder withdrawing or altering its bid during the bid validity period in the case of advertised or limited tender enquiry, bid security (also known as earnest money) may be obtained from the bidders except those registered with the Central Purchase Organization or Department or University.

(i) The amount of bid security shall ordinarily range between two to five percent of the estimated value of the goods to be procured.

(ii) The bid security may be accepted in the form of Account payee demand draft, Fixed Deposit Receipt, Bankers' cheque or Bank Guarantee from any of the commercial banks in an accepted form safeguarding the interest of the University in all respects.

(iii) The bid security shall remain valid for a period of forty-five days beyond the final bid validity period.

(iv) Bid securities of the unsuccessful bidders shall be returned to them at the earliest after expiry of the final bid validity and latest on or before the 30th day after the award of the contract.

(b) *At the Stage of Awarding the Contract* - To ensure due performance of the contract, performance security at the rate of five to ten percent of the value of the contract may be obtained from the successful bidder awarded the contract irrespective of its registration status.

- (i) The performance security may be in any form referred to in clause (a) above.
- (ii) Performance security shall remain valid for a period of sixty days beyond the date of completion of all contractual obligations by the supplier including warranty obligations.
- (iii) Bid security shall be refunded to the successful bidder on receipt of performance security.

Advance or Part Payment to Suppliers

23. (A) Advance Payment

(1) The payments for services rendered or goods supplied shall be released only after the services have been rendered or supplies made: Provided that advance payments may be considered in the following cases, namely:-

- (i) advance payments demanded by firms holding maintenance contracts for servicing air-conditioners, computers, other costly equipment and other related goods or materials;
- (ii) advance payment demanded by firms against fabrication contracts, turn- key contracts and other related matters.

'Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

27

(2) Advance payments shall not exceed the following limits, namely:-

- (i) thirty percent of the contract value to private firms;
- (ii) forty percent of the contract value to a State Government or Central Government agency or a Public Sector Undertaking; or
- (iii) In case of a maintenance contract, the amount shall not exceed the amount payable for six months under the contract.

(3) (a) The concerned procuring Department may relax the ceilings (including the percentage for advance payment to private firms) referred to in sub-regulation(2) in consultation with the Finance wing of the University.

(b) While making advance payment, adequate safeguards in the form of bank guarantee shall be obtained from the firm.

(B) Part Payment

Depending upon the terms of delivery incorporated in a contract, part payment to the supplier may be released after it dispatches the goods from its premises in terms of the contract.

Criteria to be followed in the procurement process

24. (1) In the public procurement, the purchases shall be made in a transparent, competitive and fair manner to secure best value for money, which shall enable the prospective bidders to formulate and send their competitive bids with confidence.

(2) To ensure transparency and fairness, the following criteria may be followed, namely:-

(a) The text of the bidding document shall be self-contained and comprehensive without any ambiguity and the bidding document shall contain -

- (i) the criteria for eligibility of qualifications to be met by the bidders such as minimum level of experience, past performance, technical capability, manufacturing facilities and financial position and other related matters;
- (ii) eligibility criteria for goods indicating any legal restrictions or conditions about the origin of goods and other related matters which may be required to be met by the successful bidder;
- (iii) the procedure and the date, time and place for sending bids;
- (iv) the terms of delivery;
- (v) special terms affecting performance, if any.

(b) The bidders shall be given reasonable time to send their bids.

(c) The bids shall be opened in public and authorized representatives of the bidders shall be permitted to attend the bid opening.

(d) Bids received after the specified date and time for receipt of bids shall not be considered.

(e) The specifications of the required goods shall be clearly stated without any ambiguity so that the prospective bidders may send meaningful bids and in order to attract sufficient number of bidders, the specifications shall be broad based to the extent feasible.

(f) For determining responsiveness of bids, criteria and factors to be taken into account for evaluating the bids on common platform and the criteria for awarding the contract to the responsive lowest bidder shall be clearly indicated in the bidding document.

(g) Suitable provision for settlement of disputes, if any, emanating from the resultant contract, shall be kept in the bidding document.

(h) The bidding document shall clearly indicate that the resultant contract shall be interpreted under Indian laws. (i) Bidders shall not be permitted to alter or modify their bids after expiry of the deadline for receipt of bids.

(j) (i) In the case of turn-key contracts or contracts of special nature for procurement of sophisticated and costly equipment, a suitable provision may be made in the bidding document(s) for pre-bid conference for clarifying issues and clearing doubts, if any, about the specifications and other allied technical details of the plant, equipment and machinery projected in the bidding document.

(ii) The date, time and place of pre-bid conference shall be indicated in the bidding document and the date shall be sufficiently ahead of the bid opening date.

(k) (i) If a new item is being purchased by replacing the old one, a suitable clause is to be incorporated in the bidding document mentioning the buy back offer so that the prospective and interested bidders may formulate their bids accordingly.

(ii) The details of condition and value of the old item to be traded shall be clearly mentioned: Provided that, provision shall also be kept in the bidding document to enable the purchaser to trade or not to trade the item while purchasing the new one.

(l) (i) Bids received shall be evaluated in terms of the conditions already incorporated in the bidding documents and no new condition which was not incorporated in the bidding documents shall be brought in for evaluation of the bids.

(ii) Determination of a bid's responsiveness shall be based on the contents of the bid itself without recourse to extrinsic evidence.

(m) There shall not be negotiations with bidders after the opening of the bid:

Provided that negotiation with only the lowest evaluated responsive bidder, that is, L-1 may be held in specific circumstances if the same is found logical and justified in the financial interest of the University.

(n) In the rate contract system, where a number of firms are brought on rate contract for the same item, negotiations and counter offering of rates are permitted with the bidders.

(o) (i) Contract shall be awarded to the lowest evaluated bidder:

Provided that where the lowest acceptable bidder against ad-hoc requirement is not in a position to supply the full quantity required, the remaining quantity, as far as possible, be ordered from the next higher responsive bidder, that is, L-2 at the rates offered by the lowest responsive bidder, that is, L-1;

(ii) The guidelines of the Central Vigilance Commission will be complied with.

(p) The name of the successful bidder awarded the contract shall be mentioned on the notice board or put on the University's web site.

Maintenance contract

25. (a) Depending upon the cost and nature (generally sophisticated and costly equipment and machinery) of the goods to be purchased, the University may enter into maintenance contracts for suitable period either with the supplier of the goods or with any other competent firm.

(b) While entering into such contract, it may be kept in view that the equipment or machinery is maintained free of charge by the supplier during its warranty period or such other extended periods as the contract terms may provide and the paid maintenance shall commence only thereafter.

Procurement of services

26. Procurement of services, that is, hiring of external professionals (outsourcing of services), consultancy firms or engagement of consultants for a specific job may be done.

27. For the purposes of Regulation 27, the following guidelines shall be followed, namely:-

(1) *Identification of work or services* - Engagement of consultants may be resorted to in situations requiring high quality services for which the University does not have the requisite expertise with the approval of the competent authority before engaging consultants.

(2) *Defining the scope of work or service* -

(a) The requirement, objective and scope of the work or service may be explicitly defined in a simple and concise language.

(b) The terms of reference containing the eligibility and pre-qualification criteria to be met by the consultant shall include the following, namely:-

- (i) precise statement of objectives.
- (ii) outline of the tasks to be carried out.
- (iii) schedule of completion of tasks.
- (iv) the support or inputs to be provided by the University to facilitate the consultancy.
- (v) the final output that shall be required of the consultant.

(3) *Estimating reasonable expenditure* - Reasonable expenditure on the proposed engagement of consultants shall be estimated by ascertaining the prevalent market conditions and consulting other organizations engaged in similar activities.

(4) *Identification of likely sources or service* -

- (i) For services, up to rupees twenty five lakhs, a list of potential consultants shall be prepared on the basis of formal or informal enquiries from other organizations involved in consultancy firms in similar activities.
- (ii) For services above twenty five lakhs, in addition to the provision in clause(i), an enquiry for seeking 'Expression of Interest' (including in brief, the broad scope of work or service, inputs to be provided by the University, eligibility and the pre-qualification criteria to be met by the consultant and the consultant's past experience in similar work or service) from consultants shall be published in at least one national daily and the University's web site and the web site address shall also be given in the advertisements.
- (iii) The consultants shall be asked to send their comments on the objectives and scope of the work or service projected in the enquiry and adequate time shall be allowed for getting responses from interested consultants.

(5) *Shortlisting of consultants* - On the basis of responses received from the interested parties, consultants meeting the requirements shall be shortlisted for further consideration and the number of shortlisted consultants shall not be less than three.

(6) *Issue of request for proposal* - The short listed consultants shall be issued the Request for Proposal to seek their technical and financial proposals. It shall contain the following, namely:-

- (i) a letter of invitation;
- (ii) information to consultants regarding the procedure for submission of proposal;
- (iii) terms of reference;
- (iv) eligibility and pre-qualification criteria in case the same has not been ascertained through enquiry for Expression of Interest;
- (v) List of key positions whose Curriculum Vitae and experience shall be evaluated;
- (vi) bid evaluation criteria and procedure of selection;
- (vii) standard formats for technical and financial proposal; (viii) proposed contract terms;
- (ix) procedure proposed to be followed for mid-term review of the progress of the work and review of the final draft report.

(7) *Receipts and opening of proposals* -

- (a) Proposals shall be asked for from consultants in 'two-bid' system with technical and financial bids sealed separately and both the envelopes kept in a bigger envelope duly sealed.
- (b) The bid shall be submitted by the specified date and time at the specified place and the bids received after the specified date and time of receipt shall not be considered.
- (c) On receipt of bids, the technical proposals shall be opened first.

(8) *Evaluation of bids* -

- (a) The technical bids shall be evaluated by a duly constituted committee or sub-committee and the committee shall record in detail the reasons for acceptance or rejection of the technical proposals.
- (b) The common committee or a separate committee or sub-committee shall open the financial bids of only those bidders who have been declared technically qualified by the committee and the committee shall further evaluate the financial bids for ranking or selecting the successful bidder for award of the consultancy contract.

(9) *Selection of a particular consultant by nomination* - In special circumstances where it becomes necessary to select a particular consultant in the interest of the University, full justification for such single-source selection shall be recorded on the file and approval of the competent authority obtained before resorting to such single- source selection.

(10) *Monitoring the contract* - The performance of the consultants shall be continuously monitored so that the output of the consultancy is in line with the objectives of the concerned department or unit.

Outsourcing of Services

28. The following basic guidelines shall be complied with while outsourcing services; namely:-

(1) *Identification of likely contractors* - The concerned Department or centre or unit shall prepare a list of likely and potential contractors on the basis of formal or informal enquiries from other organizations involved in similar activities, 'Yellow Pages', trade journals, web site.

(2) *Preparation of tender enquiry* - The tender enquiry shall contain the following,

namely:- (i) the details of the work or service to be performed by the contractor;

(ii) the facilities and the inputs which shall be provided to the contractor by the University;

(iii) eligibility and qualification criteria to be met by the contractor for performing the required work or service;

(iv) the statutory and contractual obligations to be complied with by the contractor.

(3) *Invitation of bids* -

(A) For services up to rupees ten lakhs or less-

(i) there shall be scrutiny of preliminary list of identified contractors;

(ii) determination of the prima facie eligibility and capable contractors;

(iii) issue of limited tender enquiry to them asking for their offers by a specified date and time (the number of such identified contractors shall not be less than four).

(B) For services above rupees ten lakhs.- The University shall issue advertised tender enquiry asking for the offers by a specified date and time in at least one popular largely circulated national newspaper and web site of the University as well as on CPP Portal through MEA.

(4) *Receipts and Evaluation of Bids* -

(i) Bids received after the specified date and time of receipt shall not be considered.

(iii) The responsive bids shall be evaluated, segregated, ranked for selecting the successful bidder for award of the contract.

(5) *Outsourcing by choice* - In case of an exceptional situation, competent authority in the University may outsource a job to a specifically chosen contractor, in consultation with the Finance Wing of the University.

In such cases, the detailed justification, the circumstances leading to the outsourcing by choice and the special interest or purpose it shall serve shall be recorded in writing which will form an integral part of the proposal.

(6) *Monitoring the contract* - The conduct and performance of the contract shall be monitored continuously.

1Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

31

29. In respect of all regulations contained herein, to the extent that there are similar provisions in GFR and DFPR, they shall apply unless specific exemptions have been granted. For seeking such exemptions, proposal may be submitted to the Ministry of External Affairs for approval by the Competent Authority.

30. In respect of all provisions which are not covered under these regulations, the provisions of GFR, DFPR and instructions issued by the Ministry of Finance from time to time as applicable, shall apply.

DR. ANUPAM RAY, Jt. Secy. (Nalanda)

[ADVT-III/4/Exty/191-D/13]

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064 and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.